पाठ 4: नवारंभ नगर एवं राज्य

प्रश्न और क्रियाकलाप

प्रश्न 1. अध्याय के आरंभ में दिए गए उद्धरण पर विचार करें और समूह में चर्चा करें। अपने निरीक्षणों तथा निष्कर्षों की तुलना करें कि कौटिल्य ने एक राज्य के लिए क्या अनुशंसा की थी? क्या यह आज की परिस्थिति से भिन्न है?

उत्तर: कौटिल्य के अनुसार एक आदर्श राज्य में—

1. मजबूत सुरक्षा व्यवस्था हो।
2. उपजाऊ भूमि और पर्याप्त कृषि हो।
3. वन, खनिज और पशुधन जैसे संसाधन हों।
4. नदियाँ और जल के अन्य स्रोत हों।
5. अच्छी सड़क और परिवहन व्यवस्था हो।
6. मजबूत और समृद्ध अर्थव्यवस्था हो।
7. आपदाओं का सामना करने की क्षमता हो।

क्या यह आज से भिन्न है?

नहीं, ये बातें आज भी महत्वपूर्ण हैं। आज इनके साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व दिया जाता है।

निष्कर्ष: कौटिल्य के अधिकांश विचार आज भी एक अच्छे और विकसित राज्य के लिए उपयोगी

प्रश्न 2. पाठ के अनुसार प्रारंभिक वैदिक समाज में शासकों का चयन कैसे किया जाता था?

उत्तर:

1. राजा का पद प्रायः वंशानुगत होता था।
2. शासक का चयन जनजाति के प्रमुख लोगों और सभाओं की स्वीकृति से होता था।
3. सभा और समिति जैसी संस्थाएँ राजा को सलाह देती थीं।
4. राजा को प्रजा के हित में कार्य करना होता

प्रश्न 3. कल्पना कीजिए कि आप प्राचीन भारत के इतिहास का अध्ययन करने वाले एक इतिहासकार हैं। महाजनपदों के विषय में अधिक जानकारी हेतु आप कौन-कौन से स्रोतों (पुरातात्विक, साहित्यिक इत्यादि) का उपयोग करेंगे? प्रत्येक स्रोत से आपको क्या जानकारी प्राप्त हो सकती है, वर्णन करें।

उत्तर:

स्रोत	**प्राप्त जानकारी**
पुरातात्विक अवशेष	नगरों, भवनों, किलों और जीवन-शैली की जानकारी
सिक्के	व्यापार, अर्थव्यवस्था और शासकों की जानकारी
शिलालेख	प्रशासन, शासन और महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी
बौद्ध एवं जैन ग्रंथ	महाजनपदों, समाज और धर्म की जानकारी
वैदिक एवं अन्य साहित्य	राजनीतिक और सामाजिक जीवन की जानकारी

निष्कर्ष:

इन सभी स्रोतों की सहायता से महाजनपदों के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन को समझा जा सकता है।

प्रश्न 4. प्रथम सहस्राब्दी ईसा पूर्व में नगरीकरण हेतु लौह धातु-विज्ञान का विकास इतना महत्वपूर्ण क्यों था? उत्तर देने हेतु आप पाठ में दिए गए तथ्यों के साथ-साथ अपनी जानकारी या कल्पना का भी उपयोग कर सकते हैं।

उत्तर:

- लोहे के औजार मजबूत और टिकाऊ होते थे।
- इनके प्रयोग से जंगलों को साफ करना आसान हुआ।
- कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई।
- अधिक भोजन उपलब्ध होने से जनसंख्या बढ़ी।
- व्यापार और उद्योग का विकास हुआ।
- नए नगरों और बाजारों की स्थापना हुई।
- इसलिए लौह धातु-विज्ञान का विकास नगरीकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था।

MUKUTclasses

To get notes visit our website

mukutclasses.in